क्षय रोग का भारत से समूल विनाश : भारतीय संसद के प्रतिनिधियों की क्रिकेट प्रतियोगिता में भागीदारी और क्षय रोग के उन्मूलन के प्रति संकल्पबद्धता।

भारत, जो कि विश्व में सर्वाधिक टी.बी. के मरीजों की संख्या से बोझिल है।

''टीबी मुक्त भारत'' इस विषय के साथ The International Union Against Tuberculosis and Lung Disease (The Union) और लोकसभा सांसद एवं ग्लोबल फंड चैंम्पियन श्री अनुराग सिंह ठाकुर एवं ने, ग्लोबल फंड (टीबी ,एड्स व मलेरिया के विरूद्ध संघर्ष) की सहायता से एक सम्मेलन का आयोजन किया है।

शनिबार, 2 फरवरी 2018 नई–दिल्ली : इस सप्ताह के अंत में तकरीबन 45 भारतीय सांसद भारत से टी. बी. के समूल उन्मूलन की अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करने के लिये, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एक राउंड रोबिन क्रिकट प्रतियोगिता मे भाग लेगे। इस प्रतियोगिता के साथ–साथ एक ''टी.बी. मुक्त भारत'' सम्मेलन भी आयोजित किया जायेगा, जिसमें केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री सतेन्द्र कुमार जैन, हमीरपुर से लोकसभा के सांसद और ग्लोवल फंड चैपियन श्री अनुराग सिंह ठाकुर, एवं विभिन्न राज्यों के मुख्य मंत्री अपना संबोधन करेंगें। इस सम्मेलन में ग्लोबल फंड, दी यूनियन, डब्ल्यू.एच.ओ , यूएसएआईडी , एवं टी.बी. रोगियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

2017 में लगभग एक करोड लोग टी.बी. से बीमार पड़ गए और 16 लाख लोगों की बीमारी से मृत्यु हो गई। टीबी, एक ऐसी बीमारी है जिसकी समय रहते रोकथाम एवं ग्रसित होने पर उपचार संभब है। जो अब एचआईवी/एड्स से अधिक लोगों को मारता है, और यह दुनिया की सबसे बडी संक्रामक जानलेवा बीमारी बन चुकी है। विश्व में टीबी से पीड़ित चार में से एक व्यक्ति भारत से है, यही कारण है कि दुनिया में सबसे अधिक टीबी का बोझ भारत में है।

सितंबर 2018 मे न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र द्वारा टीबी से संबंधित एक विश्व स्तरीय नेताओं की एक उच्च स्तरीय मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें टीबी को ''वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थिती'' मानते हुये वर्ष 2030 तक टीबी को दुनियॉ से मिटाने के लिये राजनैतिक घोषण पत्र पर सहमति बनी। इसी तारतम्य में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुये वैश्विक लक्ष्य से 5 वर्ष पूर्व ही 2025 तक भारत से टीबी को खत्म करने के का संकल्प किया है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इस सप्ताह के अंत में भारतीय सांसदों द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेना यह प्रदर्शित करता है कि इस बीमारी के भारत से समूल उन्मूलन के लिये राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। यह बात ग्लोबल फंड चैपियन और हमीरपुर से लोकसभा सांसद श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक प्रेस क्रांफ्रेस को संबोंधित करते हुये कही, उन्होने यह भी जोडा कि ''यह राजनीतिक समर्थन पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर हम टीबी को खत्म करने के लिए भारत में प्रगति कर रहे हैं तो इसमें काफी तेजी लोने की जरुरत है।''

यद्यपि 2016 के बाद से भारत में टीबी की घटनाओं में 1.7 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिरावट आ रही है, लेकिन अनुमान है कि यदि 2025 के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करना है, तो इसे सालाना 10 प्रतिशत की दर से गिरना चाहिए। साल 2017 में भारत में 410000 लोगों की टीबी से मृत्यु हो गई जो 2016 के आंकड़ों से केवल तीन प्रतिशत ही कम थी। वर्तमान में भारत में केवल 65 प्रतिशत टीबी के रोगियों का ही उपचार हो पा रहा है जो कि इस बीमारी के बोझ को कम करने मे बाधक है, क्योंकि अनउपचारित टीबी ग्रसित लोग इस बीमारी का प्रसार अनजाने मे ही कर रहे है, और इसके बोझ को कम करने में बाधक है।

भारत में और विश्व स्तर पर टीबी जैसी एक रोकथाम योग्य और इलाज योग्य बीमारी को समाप्त करना संभव हैं। ''ग्लोबल फंड के चीफ ऑफ स्टाफ, मारिजके विजन्नोक्स ने कहा कि इसमें हमें निरंतर धन की आवश्यकता होगी लेकिन इसके लिये राजनैतिक इच्छाशक्ति के साथ–साथ सतत वित्तीय सहायता की आवश्यकता है जैसा कि भारतीय सरकार द्वारा किया जा रहा है।

ग्लोबल फंड ने हाल ही में घोषणा की कि वह इस साल अक्टूबर में फ्रांस के ल्योन मे आयोजित होने वाली अपनी पुनः पूर्ति बैठक में दानदाताओं से आग्रह करेगा कि वो कम से कम 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर की धनराशि दान कारने की प्रतिज्ञा करें, ऐसा करने से टीबी ,एड्स व मलेरिया से ग्रसित एक करोड 60 लाख लोगों को संयुक्त रूप से बीमारियों से बचाने मे मदद मिलेगी। इससे पहले ग्लोबल फंड नई दिल्ली में आगमी 7 और 8 फरवरी को भारत सरकार की मेजबानी में एक बैठक आयोजित करेगा। जिसमें कि इससे संबंधित मसौंदों पर चर्चा की जायेगी।

अप्रैल 2010 से दी यूनियन द्वारा चालाई जा रही Global Fund द्वारा वित्त पोषित अक्षय परियोजना जो कि टीबी की रोकथाम हेतू 14 राज्यों के 128 जिलों में विभिन्न क्षेत्रों की भागी दारी से चालाई जा रही है। अक्टूबर 2015 से भारत भर मे स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी करने के बाद , इस परियोजना के तहत 4 करोड 80 लाख से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया गया। जिसमे 643000 लोगों की जॉच के बाद 70,000 टीबी के मरीजों को रोकथाम के उपायों के द्वारा ग्रसित होने से बचाया जा सका।

दी यूनियन साउथ ईस्ट एशिया की क्षेत्रिय निदेशक डा. जे तोनसिंग ने कहा कि ऐसे चुनौती पूर्ण माहौल में अक्षय परियोजना एक जीवन रक्षक के तौर पर अपनी पहचान बनाने मे सफल हुई है। और यही कारणा है कि 50 वीं वर्ष सम्मेलन का आयोजन भारत मे किया जाना सुनिश्चित किया गया है। वर्ततान में, भारत के राजनैतिक नेताओं द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली राजनीतिक प्रतिवद्धता इस बात का संकेत है कि टीबी मुक्त भारत एक वास्तविकता बन सकता है।

टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के परिप्रेक्ष्य में The International Union Against Tuberculosis and Lung Disease (The Union) द्वारा भारत में इस वर्ष 50वें विश्व लंग हेल्थ सम्मेलन का आयोजन हैदराबाद (तेलंगाना राज्य) में **30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2019** तक किया जायेगा।

इस सम्मेलन का विषय है –'' आपात स्थिती का अंत'' विज्ञान, नेतृत्व व कार्य (Science, Leadership and Action) जिससे हमारी संकल्पबद्धता कार्यान्वित हो और हम लोगों के जीवन बचाने से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकें। 50वीं यूनियन विश्व सम्मेलन में दुनियॉ भर से तकरीबन 6000 शोधकार्ताओं, नीति निर्माताओं, चिकित्सकों, राजनीतिक नेताओं, संयुक्त राष्ट्र एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों के सम्मिलित होने की संभावना हैं। इस सम्मेलन में टीबी की रोकथाम, इलाज और टीकों से संबंधित नवीनतम शोध प्रस्तुत किये जायेंगें।

दी यूनियन के कार्यकारी निदेशक होजे लुइस कास्त्रो ने कहा, कि अब समय आ गया है जबकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित मीटिंग के दौरान हस्ताक्षरित राजनैतिक घोषणा के तहत सरकारों को टीबी की वैश्विक आपात स्थित से निपटने के लिए अपनी जिम्मेदरी समझनी चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि हैदराबाद मे आयोजित आगामी सम्मेलन मे हम वास्वविक नेतृत्व क्षमता और ऐसे प्रयासों को और मजबूत करने पर बात करेंगें जो कि नैदानिक उपकरण, नई दवाइयों एवं टीकों के विकास व वास्तविक कार्य रणनीति पर आधारित हो।

पूरी तरह रोकथाम योग एवं इलाज योग होने के बाबजूद लोग बेकार मे ही अपनी जान टीबी से गवां रहे है– यह कहना है, मुंबई से आई एक टीबी उपचारित नन्दिता वेंकटेंशन का। उन्होने यह भी कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण एवं रोमांचक है कि टीबी से उपचारित और इस बीमारी से लडने के दौरांन उनके जीवन पर पडे प्रभावों को समझने के लिए इस सप्ताहांत होने वाले ''टीबी मुक्त भारत सम्मेलन'' एवं अक्टूबर में हैदराबाद मे होने वाली 50वें विश्व लंग हेल्थ सम्मेलन जैसे मंचों पर उनको स्थान दिया जा रहा है।

ENDS

Further Information:

Michael Kessler
Union World Conference Media Relations (In Delhi)
Mob: +91 730 307 6680
Email.-michael.kessler@intoon-media.com
Ibon Villelabeitia (In Delhi)
Specialist, Editorial Team
Communications Department

Mob: +41 79 292 5426
Ibon.Villelabeitia@theglobalfund.org

About the Global Fund

The Global Fund is a 21st-century partnership organization designed to accelerate the end of AIDS, tuberculosis and malaria as epidemics.

Founded in 2002, the Global Fund is a partnership between governments, civil society, the private sector and people affected by the diseases. The Global Fund raises and invests nearly US$4 billion a year to support programs run by local experts in countries and communities most in need.

Working together, we have saved millions of lives and provided prevention, treatment and care services to hundreds of millions of people, helping to revitalize entire communities, strengthen local health systems and improve economies.

Twitter: @GlobalFund

About the International Union Against Tuberculosis and Lung Disease (The Union)

The Union was founded in 1920 and is the world's first global health organisation. We are a global leader in ending TB, we fight the tobacco industry, and we solve key problems in treating major diseases. We use science to design the best treatments and policies for the most pressing public health challenges affecting people living in poverty around the world. The Unions members, staff and consultants operate in more than 150 countries and embody our core values of accountability, independence, quality and solidarity.

About the Union South-East Asia (USEA)

The Union has a strong presence in India with its South-East Asia Office (USEA) based in Delhi employing some 136 staff working on projects on tuberculosis and tobacco control. The Call to Action for a TB-Free India, implemented by The Union with support from USAID's Challenge TB project, brought together a wide range of stakeholders committing to end TB in India. Amongst others this included noted celebrity Mr Amitabh Bachchan, industrialist Mr Ratan Tata, former US Ambassador to India Mr Richard Verma, parliamentarians, academicians, and corporate leaders. USEA provides public health expertise to the region's governments, civil society, corporations and international agencies on tuberculosis (TB) control and tobacco control; it also conducts operational research, capacity-building programmes and grant-monitoring services.

About the 50th Union World Conference on Lung Health

The Union World Conference on Lung Health, convened by the International Union Against Tuberculosis and Lung Diseases (The Union), is the world's largest gathering of clinicians and public health workers, health programme managers, policymakers, researchers and advocates working to end the suffering caused by lung disease, with a focus specifically on the challenges faced by low-and lower-middle income populations. Of the 10 million people who die each year from lung diseases, some 80 percent live in these resource-limited settings.

Organising international conferences on TB and related subjects has been a core activity of The Union since its founding in 1920.

Twitter: @UnionConference